सिद्ध क्षेत्र

श्री मुक्तागिरि जी

Shri Muktagiri Siddha Kshetra, M.P.

अर्घ

जल गंध आदिक द्रव्य लेके, अर्घ कर ले आवने।
लाय चरन चढ़ाय भविजन, मोक्षफल को पावने॥
तीर्थ मुक्तागिरि मनोहर, परम पावन शुभ कहो।
कोटि साढ़े तीन मुनिवर, जहाँ ते शिवपुर लहो॥

ॐ ह्रीं श्री मुक्तागिरि क्षेत्राय अनर्घ्य पद प्राप्तये अर्घं निर्वपामीति स्वाहा।